आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–06 अप्रैल 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- संसद के दोनों सदनों से पारित वक्फ संशोधन विधेयक– दो हजार पचीस को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वक्फ संशोधन अधिनियम को बताया ऐतिहासिक। कहा– वक्फ के नाम पर गलत तरीके से कब्जाई गयी प्रदेश की लाखों एकड़ सरकारी भूमि का होगा जनकल्याणकारी कार्यों में प्रयोग।
- गोरखपुर और महराजगंज में 22 सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया लोकार्पण और शिलान्यास।
- अयोध्या में धूमधाम से मनाया जा रहा है रामजन्मोत्सव। दोपहर बारह बजे श्रीरामलला के मस्तिष्क पर होगा सूर्य तिलक।
- नवरात्र के अन्तिम दिन प्रदेशभर के शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु। हवन के साथ हो रहा कन्या पूजन।

****

संसद के दोनो सदनों से पारित वक्फ संशोधन विधेयक को बीती रात रष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंजूरी दे दी, जिसके बाद अब वक्फ संशोसन विधेयक, 2025 कानून बन गया है। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने मुसलमान वक्फ –निरसन विधेयक 2025 को भी अपनी स्वीकृति दे दी है।

वक्फ विधेयक को राज्यसभा ने तीन अप्रैल 2025 को तेरह घंटे से अधिक चली बहस के बाद पारित कर दिया था। इससे एक दिन पहले लोकसभा ने इसे मंजूरी दी थी। विधेयक को पारित करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में आधी रात के बाद तक कार्यवाही चली थी। नये कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का दुर्पयोग और वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण को रोकना है। केन्द्र सरकार ने कहा है कि यह कानून मुस्लिम विरोधी नही है। सरकार ने मुस्लिमों को आश्वस्त किया है कि यह बिल उनकी मस्जिद एवं दरगाह छीनने और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए नही है, बल्कि संपत्तियों के नियमन और प्रबंधन के लिए लाया गया है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गोरखपुर और महराजगंज में बाइस सौ करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संसद में पारित वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम को ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि वक्फ के नाम पर वर्षों से बेशकीमती जमीनों पर हो रहे कब्जे पर अब रोक लगेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ के नाम पर गलत तरीके से कब्जाई गयी प्रदेश की लाखों एकड़ सरकारी भूमि और सम्पत्तियों का उपयोग स्कूल–कॉलेज और मेडिकल कॉलेज जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में होगा।

गोरखपुर में विश्व स्तरीय कन्वेंसन सेंटर और रामगढ़ ताल रिंग रोड सहित एक हजार छः सौ चालीस करोड़ रूपये से अधिक की 107 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए उन्होंने कहा कि सबका साथ–सबका विकास की सोच के साथ गोरखपुर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है।

अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ गोरखपुर में जो कार्य प्रारंभ हुए हैं लखनऊ से वाराणसी से, देवरिया से, कुशीनगर से महाराजगंज और नेपाल की ओर से फोर लेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी, रेलवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी, बेहतरीन एयर कनेक्टिविटी के साथ गोरखपुर जुड़ चुका है और उन सभी सुविधाओं के साथ आज निवेश के भी एक बेहतरीन गंतव्य के रूप में गोरखपुर विकसित हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के माहौल में उत्तर प्रदेश देश और दुनिया में निवेश के बेहतरीन गंतव्य के रूप में उभरा है। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिये आज प्रदेश के अन्दर हर एक जनपद में नई प्रतिस्पर्धा खड़ी हुयी है। गोरखपुर हो या वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ या बरेली सभी जिलों में एक नई प्रतिस्पर्धा हो रही है कि कौन अच्छा कार्य कर सकता है।

इससे पूर्व कल महराजगंज जिले में मुख्यमंत्री ने रोहिन बैराज सहित छः सौ चौवन करोड़ रूपये की 629 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले तीन साल में उत्तर प्रदेश से गरीबी खत्म कर इसे देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा।

अगले तीन वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश से गरीबी को हर हाल में पूरी तरह समाप्त करके एक समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित हमें करना है। जीरो पॉवर्टी के इस लक्ष्य को प्राप्त करते हुए उत्तर प्रदेश को देश की नंबर एक की अर्थव्यवस्था के रूप में भी स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नौतनवा में बने रोहिन बैराज का नाम अब मां बनैलिया देवी के नाम से जाना जाएगा। इस बैराज से 16 हजार किसानों और 54 सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है।

विकास के कार्य चाहे रेल का हो, चाहे सड़क का हो, वाटर वे का हो, मेट्रो का हो, रोपवे का हो ये सभी एक एक करके साकार होते हुए जा रहे हैं। एक तरफ ये कार्य युद्ध स्तर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं दूसरी ओर लोक कल्याण के कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

****

प्रदेश सरकार मिशन वात्सल्य योजना के अन्तर्गत राज्य में चाइल्ड हेल्पलाइन के नौ नये रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड यूनिट स्थापित करेगी। इसके तहत बच्चों को 24 घंटें सहायता प्रदान की जायेगी। अभी तक राज्य में चाइल्ड हेल्पलाइन के 19 रेलवे स्टेशन और दो बस स्टेशन यूनिट संचालित है। इस हेल्पलाइन यूनिट के माध्यम से कोई भी बच्चा कहीं से भी एक शून्य नौ आठ पर कॉल कर मदद मांग सकता है।

****

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामनवमी का पर्व रामजन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। थोड़ी देर में मंदिर परिसर में पूजा और अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाने के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु वहां पहुंच रहे हैं। रामनवमी पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। दोपहर बारह बजे प्रभु श्रीराम के मस्तिष्क पर सूर्य तिलक होगा। एक रिपोर्ट...

प्रभु राम के जन्मोत्सव के लिए अयोध्या अयोध्या दर्शन की तैयारी है। देश–दुनिया भर से भक्त इस खास मौके पर रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में फूलों के फूल लगाए गए हैं। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी चंपत राय के अनुसार, रामनवमी पर आज रामलला का विशेष श्रृंगार कर 56 भोग निक्की या जाएगा । दोपहर बारह बजे रामलला के ललिता पर सूर्य अस्त हो जाएगा , यह लगभग 4 मिनट तक रहेगा। इस ऐतिहासिक मंदिर को विशेषज्ञ की एक टीम ने अंजाम दिया और इसे विश्व में लाइव प्रसारित किया जाएगा। अयोध्या में बड़ी संख्या में समुद्र तट पर इस बार सूर्योदय के रास्ते सरयू नदी के जल की फुहारें गिरेंगी, वहीं शाम को दीपोत्सव का आयोजन भी होगा। आश्रम को गर्मी से बचाने के लिए रामपथ पर अस्थायी शिविर बनाए गए हैं और 243 मंजिलों पर प्रार्थना की व्यवस्था की गई है। भ कैटों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। आम भक्तों की सुविधा के लिए प्रातः नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक राम मंदिर के सभी विशेष दर्शन हेतु कर दिए गए हैं। ओम अवस्थी, आकाशवाणी समाचार, लखनऊ।

उधर, नवरात्र के अन्तिम दिन आज मां सिद्धिदात्री की पूजा–अर्चना, हवन और कन्या पूजन किया जा रहा है। प्रदेश भर के शक्तिपीठों और दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की लम्बी कतार लगी है। मिर्जापुर के विन्ध्यवासिनी देवी मंदिर, बलरामपुर के देवीपाटन, महराजगंज के लेहड़ा देवी मंदिर और गोरखपुर के तरकुलहा देवी मंदिर में माता रानी के दर्शन के लिये श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी है।

वहीं, रामनवमी के पर्व को लेकर प्रदेश भर में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने सभी जनपदों में प्रसिद्ध देवी मंदिरों के आसपास पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही जुलूस और शोभा यात्राओं पर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से नजर रखने के लिये कहा है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपदा से प्रभावित लोगों को हर सम्भव मदद और समय से राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाय। सभी जनपदों में अग्निशमन केन्द्र को पूरी तरह सक्रिय रखा जाय और आग लगने की दुर्घटना पर प्रभावित लोगों को तत्काल अनुमन्य मुआवजा राशि वितरित की जाय।

मुख्यमंत्री ने कल गोरखपुर में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान निर्देश दिये कि अग्नि सुरक्षा के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक किया जाय। उन्होंने कहा कि खेत–खलिहान में आग लगने पर प्रभावित किसानों को जिला प्रशासन के माध्यम से मंडी परिषद द्वारा अविलम्ब राहत राशि वितरित की जाय।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने रामनवमी पर्व को लेकर पुलिस और प्रशासन की तैयारियों की भी समीक्षा की और निर्देश दिया कि सभी मंदिरों में साफ–सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त–दुरूस्त रखी जाय।

****

आगरा के थाना जगदीशपुर क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी में कल निर्माणाधीन दुकानों के अचानक गिर जाने से दो सगे भाइयों की मौत हो गयी जबकि सात लोग गम्भीर रूप से घायल हैं। घायलों को इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

****